

भसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—कण्ड 3—जपक्षस्य (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्र धिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 228]

नई दिल्ली, शकवार सितम्बर 14, 1973/भाव 23, 1895

No. 228]

NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 14, 1973/BHADRA 23, 1895

इस भाग में भिन्न पृथ्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह घलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

NOTIFICATION

Customs

New Delhi, the 14th September 1973

G.S.R. 442(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the noification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 17-Customs, dated the 17th February, 1973, namely:—

In the said notification,-

- (i) for condition (1), the following condition shall be substituted, namely:-
 - "(1) The importer shall make a declaration on the bill of entry to the effect that the hollow in question will be used for the manufacture of seamless steel tubes to be supplied for use in the manufacture of industrial and power boilers;";
- (ii) in condition (2), the word "and" occurring at the end, shall be omitted:
- (iii) in condition (3), the word "and" shall be added at the end;
- (iv) after condition (3), the following condition shall be inserted, namely:--
 - "(3A) The importer shall, within such period as the Assistant Collector of Customs, may specify in this behalf, produce a certificate from the Director General of Technical Development to the effect that

the imported hollows covered by the bill of entry have gone into the production of seamless steel tubes which have been used in the manufacture of industrial and power boilers; thereupon the bond executed by the importer at the time of importation of the goods shall be cancelled."

[No. 129/No. 355/84/73-Customs I]

S. NARAYANAN, Dy. Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व ग्रौर बीमा विभाग)

प्रधिसूचना

- सीमा-शुल्क

नई दिल्ली, 14 सितम्बर, 1973.

सा० का० नि० 442 (घ). — सीमा-शुल्क ग्रिधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, यह समाधान होने परिक ऐसा करना लोक हित में भ्रावश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व भीर बीमा विभाग) की ग्रिधिसूचना सं० 17—सीमा-शुल्क, तारीख 17 फरवरी, 1973 में निम्न-लिखित भीर संशोधन करती है, ग्रर्थात :—

उक्त भ्रधिसूचना में,--

- (i) मर्त (1) के स्थान पर निम्नलिखित भर्त रखी जाएगी, प्रर्थात् :--
 - "(1) स्रायातकर्ता स्रायात-बिल में इस स्नाशय की घोषणा करेगा कि प्रश्नगत हॉलो का प्रयोग स्रोद्धोगिक स्नीर पावर बॉयलरों के विनिर्माण में प्रयुक्त किए जाने के लिए ग्रदाय किए जाने वाले बिना जोड़ के इस्पात द्यूबों के विनिर्माण के लिए किया जाएगा:"
- (ii) गर्त (2) में, श्रन्त में श्राने वाले शब्द "श्रीर" का लोप कर दिया जाएगा
- (iii) शर्त (3) में, "ग्रौर" शब्द ग्रन्त में जोड़ा जाएगा ;
- (iV) शर्त (3) के पश्चात् निम्नलिखित शर्त ग्रन्तः स्थापित की जाएगी, ग्रर्थान:---
 - "(3क) भ्रायातकर्ता, ऐसी भ्रविधि के भीतर जो सीमा-शुल्क सहायक कलक्टर इस निमित्त विनिर्दिष्ट करे, तकनीकी विकास महानिदेशक से इस भ्राशय का प्रमाणपत्न पेश करेगा कि भ्रायात-बिल के भ्रन्तर्गत भ्राने वाले भ्रायातित हॉलो उन बिना जोड़ के इस्पात ट्यबों के उत्पादन में लिग गए हैं जिनका प्रयोग भ्रीद्योगिक भ्रौर पावर बॉयलरों के विनिर्माण में किया गया है; तदुपरि माल के भ्रायात के समय भ्रायातकर्ता द्वारा निष्पादित किया गया बन्धपत्न रद कर दिया जाएगा।"

[सं • 129/सं • 355/84/73-सीमा-श्ल्क I]

एस० नारायणन, उप-मचिव ।